

चुनाव से पहले भुती गये हैं

RNI Regn.No.- 54447/78

स्थापित: 1978

Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 21 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 26 अक्टूबर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोल्या,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्तल
मंगल सिंह मर्तोल्या



तराई से पहाड़ तक दिखने लगे हैं तेवर

- हरीश रावत बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकते उमेश कुमार को
- रणजीत रावत किसी भी सूरत में हरदा की सुनने को राजी नहीं
- रामनगर में संजय नेगी ने ताकत दिखाते हुए झण्डा गाड़ दिया है
- कालाढूंगी में भगत से नाराज विपिन पाण्डे खुलकर मैदान में उतर चुके

- विधायक सुमित ने बताया खतरा, प्रदेश के सभी राजनेता भी सुरक्षित नहीं
- लगातार बदलते घटनाक्रम से सब हैरान हैं और अभी बहुत कुछ दिखेगा



- हरक सिंह रावत के प्रभाव से कई सीटों पर असर तय है
- कर्णप्रयाग में भाजपा का किला भेदने को कांग्रेसी नेता तीखे बने
- मसूरी सीट पर गणेश जोशी को चुनौती, सुनील उनियाल आगे आये
- टिहरी में धनसिंह, किशोर उपाध्याय दिनेश धनै जनसम्पर्क में आगे

कार्यालय प्रतिनिधि

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्तराखण्ड में नेता और उनके पिछलग्गू मुस्तेद दिखाई दे रहे हैं। तराई से पहाड़ तक इनके तेवर खूब हैं। प्रदेश के सभी जिलों में विधानसभा सीटों के लिये पार्टी टिकट को लेकर मच रही घमासान का जादू दीपावली के बाद दिखाई देगा। फिलहाल तो पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपनी यात्रा, अपने बयान, अपने अंदाज से चर्चा में हैं। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि विधायक खानपुर उमेश कुमार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। तेज-तर्रार उमेश भी साफ कह रहे हैं कि वह अपने दम पर चुनाव लड़कर जीतेंगे। सल्ट के पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत इन दिनों रामनगर में ज्यादा सक्रिय हैं और लगातार ताल ठोक रहे हैं। ऐसे में हरीश रावत की चाह पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय नेगी ने भी ताकत दिखाते हुए झण्डा गाड़ दिया है।

नैनीताल जिले की सभी विधानसभा सीटों पर टिकट को लेकर खींचतान और भीतरघात का भय सता रहा है। भाजपा के दिग्गज नेता बंशीधर भगत को कालाढूंगी सीट पर उनके ही चुनौती दे रहे हैं। हिन्दुवादी नेता विपिन पाण्डे खुलकर मैदान में उतर चुके हैं और इस बार कोई मौका भगत को नहीं देना चाहते हैं। कांग्रेस की ओर से टिकट की दावेदारी के लिये पूर्व ब्लाक प्रमुख भोला भट्ट, नीरज तिवारी, पूर्व सांसद महेन्द्र पाल सहित अन्य हैं। हल्द्वानी, लाललकुआ, भीमताल, नैनीताल सीटों पर भी पार्टी टिकट को लेकर अपने दावे होने लगे हैं। नैनीताल विधानसभा सीट पर माना जाता है कि जनता बहुत ही विचार कर मतदान करती है और अन्त तक हवा का रुख पता नहीं चलता है। ऐसे में यूकेडी व निर्दलीय काफी ताकत में दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय पार्टियों की ओर से टिकट मिलने पर निर्भर है कि जनता किसे पसन्द करेगी। भीमताल सीट

- पौड़ी में टांगखिंचाई चरम पर होने लगी
- उत्तरकाशी की सीटों पर टिकट का दांव
- हरिद्वार की सीटों के लिये भारी घमासान
- उधमसिंह नगर की हर सीट अतिसम्बेदनशील

पर टिकट की घमासान कम नहीं होने वाली और भीतरघात के लिये कई तैयार हैं। हल्द्वानी सीट पर टिकट वितरण सबसे चौकाने वाले होंगे, यह जानते हुए कई ने दांव लगा रखा है।

हल्द्वानी सीट में तो खतरनाक मोड़ दिखाई दे रहा है। टिकट के लिये दावेदारी तो अपनी जगह है। इस बीच विधायक

सुमित हृदयेश ने अपने को खतरा बताया है। उनका कहना है कि उनके परिवार को भी खतरा है। उनके पीछे एक गैंग पड़ा हुआ है। उन्हें किसी भी तरह से फंसाने के उपाय किये जा रहे हैं। सुमित ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उनके अलावा अन्य सभी के लिये भी खतरा है क्योंकि उनकी और परिवार की बातें रिकार्ड की जा रही हैं, इस बारे में वह पहले भी शिकायतें कर चुके हैं। सालभर पहले नामजद तहरीर भी दी थी। विधायक ने कहा कि चुनाव से पहले किसी भी तरह की दुर्घटना हो सकती है, उन्हें मरवा सकते हैं। कहा कि प्रदेश के कोई भी राजनेता सुरक्षित नहीं हैं, सबको जाग जाना चाहिये पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक ने रामनगर से पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय नेगी को भी अपने पास बुला लिया था और कहा यदि कांग्रेस उन्हें रामनगर से टिकट नहीं देती है तो वह अपनी सीट

संजय नेगी के लिये छोड़ने को तैयार हैं। जिला उधमसिंह नगर की हर सीट अति सम्बेदनशील बन चुकी है। रुद्रपुर, किच्छा, बाजपुर, काशीपुर, जसपुर, खटीमा विधानसभा सीटों पर गरज रहे नेताओं को काबू करने के लिये प्रशासन को कितना जूझना पड़ेगा, इसका अनुमान अभी से लग चुका है। इन सीटों पर एक दूसरे पर मरो-मारो जैसी स्थिति बनी हुई है। जिन्हें टिकट मिलेगा और जिन्हें नहीं मिलेगा, वह सभी विधानसभा चुनाव में अपनी फूर्ती दिखाएंगे। जैसा की अभी से इन विधानसभा क्षेत्रों में दिखने लगा है। भीमताल सीट पर मंत्री रामसिंह कैड़ा एकरफा ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। सलता का भरपूर लाभ उनके पास है जबकि उन्हें घेरने के लिये व्यूह रचना हो चुकी है। पतलोत महाविद्यालय के भवन उद्घाटन के समय छात्र महासंघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष के साथ छात्रों का शेष पृष्ठ 5 पर

पिघलता हिमालय

सवाल उठना स्वाभाविक है

अंकित भण्डारी प्रकरण से जुड़े आरोपों और न्याय की मांग के बीच दुष्यन्त कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने से उत्तराखण्ड में राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं। यह सवाल विपक्ष ही नहीं पक्ष से जुड़े लोगों को भी सोचने पर मजबूर कर रहा है कि उत्तराखण्ड की अस्मिता, स्वाभिमान और जनभावनाओं का सम्मान कहाँ है? अंकित भण्डारी को न्याय दिलाने की मांग आज भी उत्तराखण्ड की जनता के लिए एक सम्बेदनशील मुद्दा है। ऐसे में किसी भी नियुक्ति पद पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भाजपा नेता दुष्यन्त को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त करने के विरोध में अंकित के माता-पिता श्रीमती सोनी देवी व वीरेन्द्र सिंह इण्डिया गेट पर धरने पर बैठे। उन्होंने बेटी की हत्या मामले में वीआईपी का नाम सार्वजनिक करने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई है। साथ ही राष्ट्रपति से आग्रह किया कि जब तक सीबीआई जाँच पूरी नहीं हो जाती तब तक दुष्यन्त गौतम को राज्यपाल के पद नियुक्त न किया जाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी उनका समर्थन किया। राहुल गांधी ने कहा कि चार साल से अंकित के परिवार को न्याय नहीं मिला लेकिन मामले में वीआईपी को संरक्षण और सांविधानिक पद का इनाम जरूर मिला। महिला विरोधी बीजेपी से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इस बीच पुलिस ने स्व.अंकित के माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया, बाद में उन्हें छोड़ा गया। इससे पूरे प्रदेश से लेकर दिल्ली तक एक बार पुनः आन्दोलन भड़का हुआ है। देहरादून में कांग्रेस सभी बड़े नेताओं ने लोक भवन के बाहर जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कहा कि दुष्यन्त गौतम को राज्यपाल नियुक्त करना उत्तराखण्ड के गौरव पर तमाचा है। प्रदर्शन करने पर कांग्रेस के तीस नेताओं के खिलाफ प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज हुई। विरोध प्रदर्शन का यह सिलसिला पूरे प्रदेश व बाहर भी जारी है। गौतम को जिस प्रदेश का राज्यपाल बनाने की घोषणा हुई है, उस सिक्किम प्रदेश में भी उनके राज्यपाल बनाये जाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कहा जिस उत्तराखण्ड बेटी की हत्या मामले में गौतम का नाम लिया जा रहा है उन्हें सिक्किम के इतने बड़े पद पर क्यों भेजा जा रहा है। इस मसले पर सत्ता पक्ष उलझकर रह गया है क्योंकि उसके ज्यादातर नेता मौन हैं। जो कोई किसी प्रकार बयान देने आगे आ रहा है तो उन्हें भी सवाल पड़ रहा है।

बहुत ही सीधी सी बात है कि लोकतान्त्रिक देश में जब किसी का इनाम ज्यादा विरोध हो रहा हो, तब उन्हें किसी बड़े पद या पुरस्कार से सुशोभित करना अपने आप में सवाल है। इससे भी बड़ा सवाल है जो व्यक्ति आसन में बैठता है या पुरस्कार ग्रहण करता है उसे भी जनमत का विरोध देखते हुए ऐसे पद या पुरस्कार को त्याग देना चाहिये। क्योंकि जिन लोगों के आगे उनका सम्मान होना है वह उसे मानने को ही तैयार नहीं हैं, तो ऐसा सम्मान की कैसा? इस पूरी घटना को राजनीतिक कुचक्र न बनाकर आत्मा की आवाज के रूप में समझना चाहिये। इस तरह की घटनाओं का अन्त नहीं है लेकिन पूरी कोशिश हो कि इन पर विराम लगे।



फसक

दाज्यू, इनाम पाने के लिये
बिछ जाने वाले ठैरे
भर्रैक लगाते रहो, साहब लोग
खुश रहते हैं बल

दाज्यू, लौहार के दिनों में अमर और बबू का खूब मन लगा हुआ है। अपने मोहल्ले की रामलीला में सूर्यनखा का नाच देखने के लिये पब्लिक उमड़ पड़ी। दाज्यू, किसके बाप की रामलीला? सबकुछ तो डसपाटी की जैसा होने लगा है अब। पर क्या जो करें? जब काम निकालने वालों का हिलते-हिलते काम चल जा रहा है तो, उन्हें क्यों रोका जाए। भर्रैक लगाते रहो, साहब लोग खुश रहते हैं बल। रावण दरबार में भी बार-बार नाचने वाली को लाओ, आवाज आ रही थी और 'मेरा पिया घर आया' डांस शुरू.....। अपने पड़ोस में यानी यूपी के पीलीभीत जिले के अमरिया कस्बे में रामलीला कमेटी के हिसाब-किताब को लेकर खुनी संघर्ष में तीन की मौत हो गई और दो घायल हो गये। शहर वाली रामलीला में राम विवाह से पहले महेन्दी लगाने और पगड़ी बांधकर बारात सजाने की रश्म की गई, इलाके के नेता, ठेकेदार, गोरखधन्धे वाले सभी पगड़ बांधकर सेल्फी ले रहे थे। बुनिया और राधिका महेन्दी लगाकर ता-थय्या ता-थय्या करते रहे।

दाज्यू, हल्द्वानी में विधायक सुमित ने डडाडाइ मचा रखी है बल। कह रहे हैं- 'उनके फोन टेप किये जा रहे हैं, उन्हें मारने की साजिश है। इसमें उनकी पार्टी वाले भी साथ नहीं दे रहे हैं।' दाज्यू, राजनीति में इतना भयंकर होने लगा है तो

कौन जो करेगा राजनीति। उधर दुष्यन्त गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाने के बाद से आन्दोलनकारी रघू अपने घर की छत पर धूप सेकने लगा है। कह रहा थ- 'इमान कौन पूछ रहा, इनाम की कीमत है।' दाज्यू, रघू की बात समझने में बहुत समय लग जाता है, हमें तो बस इतना ही पता है उत्तराखण्ड में खूब भद्द कुटी थी.....। सड़क में हो रही खपड़ियों देखते हुए पार्टी वालों ने दुष्यन्त को दूर कर रखा था। उनके राज्यपाल बनने के बाद अंकित भण्डारी के माता पिता इण्डिया गेट पर धरने पर बैठ गये और राहुल-प्रियंका सहित भीड़ जुटनी ही थी। सरकार बहादुर की अपनी ताकत ठैरी। अंकित के ईजा-बाबू गिरफ्तार कर लिये गये। दाज्यू, गौतम का मामला राष्ट्रीय सेमिनार तरह का हो चुका है। इसकी लपेट-चपेट में क्या होगा पता नहीं। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने चारों ओर जबरदस्त प्रदर्शन शुरू कर दिये हैं। सोमेश्वर विधानसभा में भजन सुनाई दे रहा था- 'मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई' और कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य समर्थन करते हुए कहने लगीं- 'दुष्यन्त गौतम की छवि जानबूझकर धूमिल करने की कोशिश हो रही है।' लेकिन अगले ही दिन महिला शक्तिकरण बाल विकास मंत्री रेखा ने अपने पति गिरधारी पर

गम्भीर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवा दिया। दाज्यू, गिरधारी बरेली कारोबारी है बल। उसको उत्तराखण्ड में समाजसेवी के अवतार के रूप में लाया गया था। उसके बाद से लगातार घपले की बौछार होने लगी लेकिन रुपये-टके वाला आदमी ठैरा। भण्डारा करवाते रहने से पाप धुल जाते हैं बल। गिरधारी ने भी वीडियो जारी करते हुए अपने को वरिष्ठ भाजपाई बताया। इस बार नवरात्रियों में पता नहीं क्या प्रकोप हुआ होगा, प्रदेश में डडाडाइ से बाढ़ जैसे हालात लग रहे हैं। चुनाव टैम भी नजदीक है तो खपड़ियों तय ही ठैरी। हल्द्वानी कोतवाली में एसओसी कर्मचारी ने महिला दरोगा को थपड़ मार डाला।

दाज्यू, पहाड़ के कालेज में खूब सुन्दर वातावरण बना हुआ है। पूरा स्टाफ वेतन का इन्तजार करता है और इधर उधर भण्डारा होने की खुशी भी दुगुनी है। नवरात्रियों में घी का हलुवा प्रसाद खाने सारे के सारे दरी-चटाई में बैठ गये। दाज्यू, फोकट का तर माल खाने का भी मजा ठैरा, हाजमा अपना-अपना ठैरा। मैडम रिमिनिम भी खूब थरकी थी। दाज्यू, हंसी-खुशी गुजारने के लिये रास्ते बनाने होते हैं बल। कोई डमरू बजाए, कोई चिमटा, कोई थाली। बजने दो। -तुम्हारा भुली झकरवा

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

जर्मन नागरिकता के नाम पर ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इन्दिरा गांधी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट से भारतीय मूल की एक जर्मन महिला को गिरफ्तार किया है, जिस पर जर्मनी की नागरिकता और स्थायी निवासी दिलाने के नाम पर 60 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है।

मैरी मिलबेन का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने आरोप लगाया है कि काकोरोच जनता पार्टी को अमेरिका में फंडिंग मिल रही है। कहा सीजेपी नेता और उनकी पार्टी को अमेरिका में बैठे डोनेस से फंड मिल रहा है।

इसरो स्पेस में भेजेगा अपना पहला रोबोट

पुणे। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अन्तरिक्ष में अपना पहला रोबोट हयूमनॉइड स्पेस वर्कर भेजने की तैयारी में है। इसके लिए इसरो ने पुणे की एक निजी कम्पनी मस्क रोबोटिक्स को भारत का पहला आधिकारिक हयूमनॉइड स्पेस वर्कर स्पेस-ओ प्रॉडम विकसित करने का प्रोजेक्ट सौंपा है।

हिंसा में बदल रही भारत विरोधी नफरत

वाशिंगटन। अमेरिका के कई सांसदों और सामाजिक संगठनों ने इलिनोइस में एक हिन्दू मन्दिर में हमले की साजिश पर चिन्ता जताते हुए कहा कि भारत और हिन्दुओं के खिलाफ नफरत अब हिंसा का रूप ले रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी के न्यूयॉर्क से सीनेटर चक शुमर ने कहा कि अमेरिका में भारत विरोधी बयानबाजी चिन्ताजनक स्तर पर पहुँच गई है। यहाँ कट्टरवाद के लिये जगह नहीं है।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा तम्बाकू युक्त गुटखा और पान मसाला पर एक वर्ष का प्रतिबन्ध : जनस्वास्थ्य की दिशा में एक बड़ा कदम

डॉ. मनीषा पाण्डेय

उत्तराखण्ड सरकार के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने जनस्वास्थ्य के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूरे राज्य में तम्बाकू और निकोटीन युक्त गुटखा, पान मसाला तथा ऐसे सभी खाद्य उत्पादों के निर्माण, भण्डारण, वितरण और बिक्री पर एक वर्ष के लिए पूर्ण प्रतिबन्ध लगा दिया है। इस सम्बन्ध में विभाग के आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय द्वारा 13 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी किया गया, जो जारी होने की तिथि से ही प्रभावी होकर 12 अक्टूबर 2027 तक लागू रहेगा। यह आदेश खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 30(2)(क) के अन्तर्गत जारी किया गया है, जो आयुक्त को जनस्वास्थ्य के हित में किसी भी खाद्य पदार्थ पर एक वर्ष तक प्रतिबन्ध लगाने का अधिकार देता है। इसका कानूनी आधार खाद्य सुरक्षा और मानक (विक्रय प्रतिषेध और निर्बंधन) विनियम, 2011 का विनियम 2.3.4 है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद में तम्बाकू और

निकोटीन का उपयोग घटक के रूप में नहीं किया जा सकता।

विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह प्रतिबन्ध केवल किसी एक ब्राण्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी उत्पादों पर लागू होगा जिनमें तम्बाकू या निकोटीन मिला हो, चाहे वह किसी भी नाम से बेचा जा रहा हो। इसके साथ ही बाजार में प्रचलित उस तरीके पर भी रोक लगाई गई है, जिसमें पान मसाला और तंबाकू को अलग-अलग पुड़ियों में बेचकर उपभोक्ता को स्वयं मिलाने के लिए दिया जाता है। आदेश की प्रति शासन में मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य महानिदेशक, समस्त जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्साधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु भेज दी गई है।

इस निर्णय के पीछे सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में कैंसर जैसी गम्भीर बीमारियों के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण लगाना और युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाना है। तम्बाकू युक्त गुटखा और पान मसाला

मुंह, गले और पेट के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है और स्कूल-कॉलेजों के आसपास इसकी आसान उपलब्धता छात्रों को इसके जाल में धकेल रही थी। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर गुटखा खाकर थूकने की प्रवृत्ति से न केवल बीमारियाँ फैलती हैं, बल्कि स्वच्छता अभियान और पर्यटन प्रदेश के रूप में उत्तराखण्ड की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि राज्य सरकार का यह कदम राजस्व हानि से ऊपर उठकर नागरिकों के जीवन को प्राथमिकता देने का एक सराहनीय प्रयास है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, स्वच्छ और नशामुक्त उत्तराखण्ड के निर्माण की दिशा में एक मजबूत नींव है। हालाँकि, इस प्रतिबन्ध की वास्तविक सफलता केवल छापेमारी और जल्दी से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से ही सम्भव होगी, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर और स्वास्थ्यपूर्ण भविष्य दिया जा सके।

सुझाव

बी. एस. मर्तोल्या

काठगोदाम से नैनीताल, काठगोदाम से कैची तक यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाना जरूरी

हल्लानी केवल कुमाऊँ का प्रवेश द्वार मात्र नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण कुमाऊँ क्षेत्र की आर्थिक एवं व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र भी है। कुमाऊँ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र की दैनिक आवश्यकताओं का बड़ा भाग हल्लानी से पूरा होता है। खाद्यान्न, सब्जी, नल, औषधि, निर्माण सामग्री, घरेलू सामान, व्यापारिक सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुएँ हल्लानी से कुमाऊँ के विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुँचती हैं।

पिथौरागढ़, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं चम्पावत जनपदों के अनेक क्षेत्र सीधे अथवा अप्रत्यक्ष रूप से हल्लानी से सड़क मार्ग द्वारा जुड़े हुए हैं। परिणामस्वरूप काठगोदाम से नैनीताल तथा काठगोदाम से कैची धाम तक के मार्गों पर स्थानीय यातायात, सार्वजनिक परिवहन, मालवाहक वाहन, टैक्सी, पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का अत्यधिक दबाव रहता है। पिछले कुछ वर्षों में कैची धाम एक प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में तीव्र गति से उभरा है। वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ आते हैं। इसके परिणामस्वरूप कैची धाम एवं आसपास का क्षेत्र यातायात जाम का प्रमुख केंद्र बन गया है। अनेक अवसरों पर घण्टों तक यातायात बाधित रहता है, जिसका सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव स्थानीय निवासियों, वृद्धजनों, रोगियों, विद्यार्थियों, कार्यरत व्यक्तियों तथा आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों पर पड़ता है।

यह स्थिति अब केवल पर्यटन मौसम की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि क्रमशः एक स्थायी यातायात प्रबन्धन चुनौती का रूप ले रही है। अतः इस सम्पूर्ण कॉरिडोर के लिए दीर्घकालिक, वैज्ञानिक एवं समेकित यातायात प्रबन्धन व्यवस्था विकसित करना अत्यन्त आवश्यक है। इस सन्दर्भ में निम्नलिखित सुझाव सनिय रूप से प्रस्तुत हैं-

1. वैज्ञानिक होल्डिंग एरिया विकसित किए जाएँ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर मुख्य मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग अथवा राज्य राजमार्ग पर यातायात को लंबे समय तक रोकना न जाए। इस हेतु मुख्य मार्ग से दूर, पर्याप्त क्षमता वाले होल्डिंग एरिया विकसित किए जाएँ। आवश्यकता एवं व्यवहारिता के आधार पर हल्लानी, एचएमटी क्षेत्र, भीमताल रामलीला मैदान, भवाली सैनियोरियम, दो गाँव, रूसी बाईपास, हनुमानगढ़ी, सुखाताल एवं खुर्पाताल जैसे स्थानों का उपयोग किया जा सकता है। काठगोदाम से नैनीताल तथा कैची धाम की दूरी लगभग 35-37 किलोमीटर है। इस सम्पूर्ण कॉरिडोर को लगभग छह किलोमीटर के सेक्टरों में विभाजित करके कम से कम छह समर्पित ट्रैफिक पेट्रोल यूनिट तैनात की जाएँ। प्रत्येक यूनिट अपने निर्धारित क्षेत्र में यातायात को निरन्तर निगरानी एवं नियंत्रण करे। इन यूनिटों को रिकवरी वैन, पर्याप्त मोटरसाइकिल, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉकी-टॉकी तथा

सम्भव हो तो सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों से सुसज्जित किया जाए। किसी दुर्घटना, वाहन खराबी, यातायात नियमों के उल्लंघन अथवा अचानक जाम की स्थिति में संबंधित यूनिट तुरन्त कार्रवाई करे और सिटी ट्रैफिक कंट्रोल रूम को वास्तविक समय में सूचना दे। इन यूनिटों में यातायात प्रबंधन का पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव रखने वाले प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए तथा पोस्टिंग परदर्शी एवं आवश्यकता आधारित हो।

2. यातायात को अधिकतम 'रनिंग' रखा जाए। यातायात प्रबन्धन का मूल उद्देश्य वाहनों को अनावश्यक रूप से रोकने के बजाय उन्हें अधिकतम लगातार चलाते रखना होना चाहिए। काठगोदाम से ही लंबी दूरी के सार्वजनिक परिवहन वाहनों एवं टैक्सियों को निर्धारित श्रेणी के पहचान स्टिकर जारी किए जा सकते हैं, ताकि उन्हें रास्ते में बार-बार जाँच के लिए रोकना न पड़े और अनावश्यक जाम न हो।

3. हाई-टेक एवं समेकित सिटी ट्रैफिक कंट्रोल रूम। हल्लानी, नैनीताल एवं भीमताल में आधुनिक 24 गुण 7 समेकित ट्रैफिक कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएँ, जिनसे सम्बन्धित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण स्थानों की लाइव निगरानी हो सके। गलत ओवरटेकिंग, गलत पार्किंग, यातायात नियमों के उल्लंघन अथवा अन्य कारणों से जाम करने वाले वाहनों की सीसीटीवी/अन्य माध्यमों से पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु ऐसी व्यवस्था पर भी विचार किया जा सकता है, जिसमें प्रमाणित वीडियो/फोटो साक्ष्य देकर प्रभावी कार्रवाई कराने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन राशि दी जाए।

4. बाधा बिन्दुओं की पहचान एवं स्थायी समाधान। जिला प्रशासन, जिला पुलिस, लोकनिर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा परिवहन विभाग/आरटीओ के अधिकारियों से मिलकर एक संयुक्त तकनीकी समिति गठित की जाए। यह समिति सम्पूर्ण काठगोदाम-नैनीताल एवं काठगोदाम-कैची धाम कॉरिडोर का सर्वेक्षण कर सभी प्रमुख बाधा बिन्दुओं की पहचान करे तथा प्रत्येक स्थान हेतु अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन समाधान सुझाए।

5. पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को पूर्व सूचना। पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को यातायात रोकने, डायवर्जन, पार्किंग की स्थिति अथवा जाम सम्बन्धी जानकारी पहले से उपलब्ध कराना अत्यन्त आवश्यक है। पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा एसएमएस एवं व्हाट्सएप के माध्यम से पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को वास्तविक समय की यातायात सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है। इस हेतु एक सार्वजनिक व्हाट्सएप नम्बर जारी किया जाए। आगे की यातायात स्थिति की जानकारी समय रहते स्थानीय एएम रेडियो, डिजिटल प्रदर्शन बोर्ड एवं पब्लिक

एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भी दी जाए। 6. नैनीताल की ठंडी सड़क एवं वैकल्पिक पैदल मार्ग का विकास। नैनीताल की ठंडी सड़क का व्यवस्थित विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाए तथा वहाँ सुरक्षित पैदल आवागमन की सुविधाएँ बढ़ाई जाएँ। आवश्यकतानुसार वहाँ छोटे व्यू-पॉइंट एवं अन्य आकर्षक सुविधाएँ विकसित की जा सकती हैं। इससे पर्यटकों को वैकल्पिक पैदल अनुभव मिलेगा और मॉल रोड पर अनावश्यक यातायात एवं पैदल दबाव कुछ हद तक कम होगा। परन्तु उपरोक्त कार्य हेतु नया कंस्ट्रक्शन, या मेजर कार्य न हो केवल वे कार्य हो जिससे इस सड़क की उपयोगिता बढ़े परन्तु भौगोलिक स्थिति यथावत रहे।

7. होल्डिंग एरिया में मूलभूत सुविधाएँ। होल्डिंग एरिया केवल वाहन खड़े करने के स्थान न हों, बल्कि वहाँ स्वच्छ शौचालय, पेयजल, जलपान/भोजन काउंटर, प्राथमिक चिकित्सा, यातायात संबंधी जानकारी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

8. निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की पूर्व योजना। मुख्य पर्यटन मौसम से पूर्व सड़क, पुल, नाली, पैरापेट, बिजली, दूरसंचार एवं अन्य आवश्यक निर्माण एवं मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिए जाएँ। एएच, पीडब्ल्यूडी अथवा अन्य निष्पादन एजेंसियों द्वारा प्रस्तावित कार्यों की पूर्व सूचना जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग को अनिवार्य रूप से दी जाए। अचानक आवश्यक मरम्मत कार्य की स्थिति में भी सम्बन्धित विभाग तुरन्त पुलिस एवं प्रशासन को सूचित करे, ताकि वैकल्पिक यातायात व्यवस्था की जा सके। यथासम्भव ऐसे कार्य रात्रि में अथवा कम यातायात के निश्चित समय में किए जाएँ तथा उनके लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जाए।

9. शटल एवं पूल्ड ट्रांसपोर्ट व्यवस्था। रामनगर-ढिकाला की त्रिज पर नैनीताल एवं कैची धाम हेतु शटल बस, लक्जरी ओपन बस, पूल्ड टैक्सी एवं अन्य साझा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने पर गम्भीरता से विचार किया जाए। विशेष रूप से पर्यटन मौसम एवं प्रमुख धार्मिक आयोजनों के दौरान यह व्यवस्था निजी वाहनों की संख्या घटाने में अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

10. मुख्य मार्ग पर होटल बुकिंग की जाँच न की जाए। यदि होटल बुकिंग की जाँच आवश्यक हो, तो वह हल्लानी अथवा काठगोदाम में ही पूर्ण की जाए अथवा सम्बन्धित वाहनों को वहाँ पहचान स्टिकर जारी किए जाएँ। किसी भी स्थिति में होटल बुकिंग जाँच के नाम पर वाहनों को मुख्य पर्वतीय मार्ग पर न रोका जाए, क्योंकि यह यातायात प्रबन्धन की दृष्टि से उचित नहीं है।

11. पर्याप्त एवं व्यवस्थित पार्किंग। पार्किंग व्यवस्था यातायात प्रबन्धन का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है। अतः सड़क की क्षमता एवं यातायात भार के अनुरूप वैज्ञानिक

ज्योतिष की बातें 304

29 अक्टूबर 2026 को बुध तुला राशि में पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएगा अतः बुध से प्राप्त होने वाले शुभ फलों में अगले 12 दिनों तक न्यूनता प्रतीत होगी। 29 अक्टूबर 2026 को शुक्र तुला राशि में पूर्व दिशा में उदय हो जाएगा अतः शुक्र से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अब सामान्य रूप से प्राप्त होंगे। साथ ही शुक्रास्त के कारण अभी स्थगित चल रहे शुभ कार्य अब प्रारम्भ हो जाएँगे।

31 अक्टूबर 2026 को गुरु तीव्रगति से चलते हुए मित्राशि सिंह में प्रवेश करेगा अतः गुरु अत्यन्त बली होने से शुभफल प्रदान करेगा। गुरु धन-समृद्धि, शालीनता, विवाह, पुत्राभ, उच्चशिक्षा, धर्म-परायणता, देवभद्रि, अध्यात्म, संस्कृति आदि का कारक होता है। अतः गुरु अपने कारक विषयों में कर्क, मेष, कुम्भ, धनु व तुला राशि के जातकों को अगले 86 दिन अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। अन्य राशियों को भी सामान्य शुभफल प्राप्त होगा। इस अवधि में गुरु पर अन्य ग्रहों की दृष्टि अथवा युति के आधार पर शुभाशुभ फल भी न्यूनाधिक होते रहेंगे।

वाल्मीकि जयन्ती- अश्विन शुक्लपक्ष पूर्णिमा प्रातःकाल व्यापिनी तिथि के अनुसार सोमवार 26 अक्टूबर 2026 को आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती मनाई जाएगी।

करक चतुर्थी (करवा चौथ)- कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्थी चन्द्रोदय व्यापिनी तिथि में करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। तदनुसार बृहस्पतिवार 29 अक्टूबर 2026 को विवाहित महिलाएँ पति की दीर्घायु की कामना से करवा चौथ का व्रत सम्पन्न करेंगी।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

ऐतिहासिक धरोहर नष्ट बढियाकोट का भगवती मन्दिर भीषण आग में जलकर राख, क्षमा-क्षमा

बागेश्वर। सीमांत क्षेत्र बढियाकोट स्थित ऐतिहासिक भगवती मन्दिर का आग में जलकर पूरी तरह राख हो जाना ऐतिहासिक धरोहर का नष्ट होना है। मान्यता रखने वाले इस मन्दिर में नवरात्रियों के समय लगी आग से श्रद्धालु बहुत दुःखी हैं और उन्होंने माँ भगवती से क्षमा मांगी है। उनका मानना है कि भगवती किसी बात को लेकर जरूर रुष्ट हुई हैं जिस कारण इतना भयंकर अग्निकाण्ड हुआ।

इस अग्निकाण्ड में मन्दिर का मुख्य भवन जलकर नष्ट हो गया। मन्दिर कमेटी ने करीब चार करोड़ रुपये को नुकसान होने का अनुमान लगाया है। लकड़ियों पर की गई नक्काशी इस मन्दिर की

खास पहचान थी। 16 अक्टूबर 26 को प्रातः 6 बजे आग लपटें देख डौला गाँव के ग्रामीणों ने मन्दिर कमेटी को सूचना दी। इसके बाद सभी ने आग बुझाने के प्रयास किये लेकिन भड़क चुकी आग नुकसान कर चुकी थी।

घटना की सूचना पर कपकोट क्षेत्र के विधायक सुरेश गढ़िया और डीएम अपूर्वा पाण्डे भी घटनास्थल पर पहुँचे। क्षेत्रवासियों ने इस अग्निकाण्ड की उच्च स्तरीय जाँच की मांग की है। मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष भरत सिंह दानू ने भगवती पर निष्ठा रखने वाले सभी श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। जल्द ही मन्दिर का पुनरुद्धार किया जाएगा।

एवं पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिन पार्किंग स्थलों को पहले से स्वीकृति मिल चुकी है, उन्हें निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए तथा उनकी क्षमता का नियमित मूल्यांकन किया जाए।

12. स्वीकृत परियोजनाओं की नियमित समीक्षा। पार्किंग, डायवर्जन, सड़क चौड़ाईकरण, वैकल्पिक मार्ग, होल्डिंग एरिया अथवा अन्य यातायात सम्बन्धी कार्यों, जिन्हें पहले से स्वीकृति मिल चुकी है, हेतु साप्ताहिक प्रगति समीक्षा व्यवस्था स्थापित की जाए। सम्बन्धित विभागों से कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा, स्वीकृत लागत, एमआय/अनुबन्ध की शर्तों एवं वास्तविक प्रगति सम्बन्धी नियमित रिपोर्ट प्राप्त की जाए, ताकि स्वीकृत योजनाएँ केवल कागजों तक सीमित न रहें और उनका समय पर गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। कुमाऊँ की जीवनरेखा हल्लानी तथा इससे जुड़े पर्वतीय मार्गों पर आने वाले

वर्षों में यातायात का दबाव और बढ़ने की सम्भावना है। अतः समस्या का समाधान केवल जाम होने के बाद यातायात नियंत्रित करने तक सीमित न रहे, बल्कि पूर्व नियोजन, प्रौद्योगिकी, वैकल्पिक मार्ग, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन, होल्डिंग एरिया एवं अन्तर-विभागीय समन्वय पर आधारित दीर्घकालिक यातायात नीति के रूप में किया जाए। इससे न केवल पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, वृद्धजनों, रोगियों, कर्मचारियों, व्यापारियों तथा आवश्यक सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

अतः मेरे यूट्यूब चैनल 'मिशन अभिलाषा' के सभी सम्मानित दर्शकों से अनुरोध है कि शताब्दी श्रृंखला की आठवीं कड़ी- 'काठगोदाम से कैची धाम तथा काठगोदाम से नैनीताल में हो रही ट्रैफिक समस्या : अस्थायी नहीं, स्थायी समाधान चाहिए।' में दी गई जानकारी जन-जन तथा शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाए।

13 नवम्बर को होगा प्रवासी सम्मेलन

देहरादून। प्रदेश के विकास में प्रवासी उत्तराखण्डियों की सहभागिता के लिए 13 नवम्बर को दून विश्वविद्यालय के नित्यानन्द ऑडिटोरियम में प्रवासी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अलग अलग सत्रों में राज्य के विकास मुद्दों पर सम्वाद किया जाएगा। इसके लिये तैयारियां होने लगी हैं।

फुलवाड़ी सड़क आन्दोलन स्थगित

कपकोट। फुलवाड़ी-फूलचौरा में सड़क की मांग के लिए चल रहा आन्दोलन 84 वें दिन एसडीएम के साथ बातचीत के बाद स्थगित कर दिया गया। जनमिलन केन्द्र में अनशन कर रहे ग्रामीणों को एस डीएम ने आश्वस्त किया।

सिक्किम में विरोध

दुष्यन्त गौतम को राज्यपाल बनाने के मामले में सिक्किम में विरोध प्रदर्शन हुआ है। जिससे उत्तराखण्ड के आन्दोलन कारियों ने उनका आभार किया है।



परिक्रमा

फचैज्क

रणेश पाण्डेय

अणव्याव रै गई च्याल हमार, चिन पत्री भेजनै थकि गयां गौं गौपन घर-घर हेरि हाली, नमाना जाग कतू घुमि आयां नमाना जाग कतू घुमि आयां, कती लै मड,जै न है सकि हुलार उकाव चढ़न उरतरण, कमर भली कैं हमरि गै थकि क्वे मिलि गै तो न मनसानि, नक्स लै भौत बढि गई उन्गर जौब सरकारि भै व्या है जां, अणव्याव रै गई च्याल हमार।

मोहान जोन में सफारी की मांग उठाई

रामनगर/मौलेखाल। मोहान सफारी जोन में सगल सफारी का संचालन दोबार शुरू करने की मांग उठी है। क्षेत्र के पर्यटन कारोबारियों, जिप्सी चालकों, गाइडों ने वन क्षेत्राधिकारी मोहन हेमा कर्नाटक के माध्यम से प्रभागीय वनाधिकारी

अल्मोड़ा को ज्ञापन भेजकर सफारी संचालन शुरू कराने के लिए आवश्यक आदेश और अनुमति जारी करने का आग्रह किया है।

पर्यटन कारोबारियों के अनुसार मोहान सफारी जोन में सामान्य परिस्थितियों में

प्रतिदिन लगभग 50 जित्सियों का संचालन होता है। सफारी बन्द रहने रहने से स्थानीय जिप्सी चालकों, गाइडों, होटल एवं होमस्टे संचालकों, दुकानदारों व पर्यटन व्यवसाय से जुड़े अन्य लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

उक्रांद उत्तराखण्ड उत्थान यात्रा में आह्वान

चौखुटिया/द्वाराहाट। उक्रांद की जागगा उत्तराखण्ड, जीतेगा उत्तराखण्ड थीम आयोजित 'उत्तराखण्ड उत्थान यात्रा' में दल के नेताओं ने पहाड़ की मूलभूत समस्याओं को उठाते हुए भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तराखण्ड

क्रान्ति दल को मजबूत करने का आह्वान किया। यात्रा में शामिल नेताओं ने जन सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राख गजन की मूल अवधारणा के अनुरूप पहाड़ के लोगों को आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। जल, जंगल जमीन के सवालों के

साथ सशक्त भू-कानून लागू करने, गैरसैन्य को स्थायी राजधानी बनाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, महंगाई और बेरोजगारी यात्रा में उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर दल के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुकरोती, काशीसिंह ऐरी, डॉ. नारायण सिंह जन्तवाल, पुष्पेश त्रिपाठी आदि ने सम्बोधित किया।

गेवाड़ विकास समिति का अनशन

चौखुटिया। स्वास्थ्य, शिक्षा समेत सात सूत्री मांगों को लेकर गेवाड़ विकास समिति का रामगंगा आरती घाट पर क्रमिक अनशन जारी है। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन पर क्षेत्र की समस्या मामले में अनदेखी का आरोप लगाया है।

धौलादेवी-जागेश्वर

में इको टूरिज्म

अल्मोड़ा। जागेश्वर व धौलादेवी विकास खण्डों में जल्द ही इको टूरिज्म विकसित किया जाएगा। योजना के तहत इनकी दो दो वन पंचायतों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जाना है।

अधिवक्ता मंच की प्रतिरोध सभा

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता मंच के बैनर तले अकित भण्डारी को न्याय दिलाने हेतु एक प्रतिरोध सभा का आयोजन किया गया और राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन दिया गया।

पीजी कालेज रानीखेत में विकसित भारत @2047 कार्यक्रम आयोजित

रानीखेत। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत में सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'मेरे सपनों का भारत विकसित भारत @2047' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल तथा विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरुण रावत उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पुष्पेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, विकास योजनाओं तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल एवं विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरुण रावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका

तथा देश के विकास में नागरिकों की सक्रिय सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने और सकारात्मक सोच के साथ देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. बबिता काण्डपाल ने उपस्थित अतिथियों एवं अन्य जनों को अभियान के उद्देश्यों, आयोजन तथा इसके अन्तर्गत संचालित

विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा उन्हें विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अन्तर्गत निबन्ध, पोस्टर, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, विचारशीलता

और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। मंच संचालन डॉ. पारुल भारद्वाज ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सत्यमित्र, डॉ. रेखा भट्ट, डॉ. कमल तथा डॉ. लक्ष्मी ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर छात्र संघ पदाधि कारियों सहित ध्यान सिंह नेगी, गिरीश भारत, मनीष भैरोंग, मंजीत भागत, सतीश नेगी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिद्धपीठ कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास का आगाज

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला उत्तराखण्ड देवताओं की भूमि है। यही वजह है कि इस पावन भूमि को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। यहाँ पर विराजमान आस्था के केंद्र इसे अलग ही पहचान दिलाते हैं। इन्हीं आस्था के केंद्रों में सिद्धपीठ माँ कुंजापुरी का मन्दिर भी है, जो टिहरी में स्थित है। इसे 52वें सिद्धपीठ के रूप में पूजा जाता है। जिसका वर्णन स्कन्द पुराण के केंदराखण्ड में भी मिलता है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु माता के दरबार में आता है वो कभी भी खाली हाथ नहीं लौटता है। देवभूमि में चारधाम, पंचबदरी, पंचकंदार, पंचप्रयाग विराजमान हैं। इसके अलावा कई सिद्धपीठ भी मौजूद हैं, इनमें एक सिद्धपीठ माता कुंजापुरी है। वैसे तो सालभर यहाँ देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन करने पहुँचते हैं लेकिन नवरात्रि में इसकी विशेषता और बढ़ जाती है। इन दिनों भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मन्दिर पहुँच रहे हैं और अपनी मन्त्रों मांग रहे हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड में स्थित ऋषिकेश जिसे योगा कीपटल के नाम से जाना जाता है, यह प्राचीन मन्दिरों के लिए है काफ़ी प्रसिद्ध है। इन्हीं में से एक है कुंजापुरी माता मन्दिर मान्यताओं के अनुसार, 51 शक्तिपीठों में से एक है।

बातचीत में मन्दिर के महन्त रामेश्वर गिरी जी बताते हैं कि यह मन्दिर प्राचीन मन्दिरों में से एक तो है ही, साथ ही इसका एक रोचक इतिहास भी है। यहाँ सभी श्रद्धालु इच्छा पूर्ति के लिए मन्दिर के पास स्थित पेड़ पर कलावा बांधते हैं। मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव जब माता सती के वियोग को सह न सके, तो वह क्रोधित होकर माता सती का शव लेकर ताण्डव करने लगे। जिस कारण पूरे ब्रह्माण्ड में प्रलय होने लगी। यह देख विष्णु भगवान ने इस प्रलय को रोकने के लिए सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के टुकड़े कर दिए। माता के शरीर के अंग और आभूषण 51 टुकड़ों में धरती पर अलग-अलग जगहों पर गिरे, जो शक्तिपीठ बन गए। इस स्थान पर माता सती के शरीर का ऊपरी भाग यानी कुंजा गिरा था, जिस कारण यह मन्दिर एक शक्तिपीठ कहलाता है और कुंजापुरी देवी मन्दिर के नाम से सभी के बीच प्रसिद्ध है। इस मन्दिर को कुंजापुरी के साथ ही कुंजा देवी मन्दिर के नाम से भी जाना जाता है।

टिहरी गढ़वाल जिले में माँ कुंजापुरी, माँ सुरकण्डा देवी और माँ चन्द्रबदनी के सिद्धपीठों का विशेष धार्मिक महत्व है। स्थानीय धार्मिक

परम्परा में इन तीनों धामों को पवित्र शक्तित्रिकोण के रूप में देखा जाता है। इन मन्दिरों में वर्षभर श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुँचते हैं, लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्र में इनका आध्यात्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। माँ कुंजापुरी मन्दिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं बल्कि प्राकृतिक सौन्दर्य का भी अनुपम स्थल है। मन्दिर की पहाड़ी से गंगोत्री, बंदरपूछ, चौखम्बा और स्वर्गरोहिणी जैसी हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य दिखाई देते हैं। इसके साथ ही ऋषिकेश, हरिद्वार और दूध घाटी का विहंगम नजारा पर्यटकों को आकर्षित करता है। नरेन्द्रगढ़ से लगभग 11 किलोमीटर और ऋषिकेश से करीब 27 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह धाम धार्मिक पर्यटन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। माँ कुंजापुरी की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से वर्ष 1974 से शारदीय नवरात्र के दौरान श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले का आयोजन किया जा रहा है। समय के साथ यह मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन गतिविधियों का प्रमुख हिस्सा बन गया है। मेले में धार्मिक आयोजनों के साथ स्थानीय लोक संस्कृति, कला, खेल और सामाजिक

गतिविधियों को मंच मिलता है। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलने के साथ क्षेत्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है।

शारदीय नवरात्रि और मेले की स्वर्ण जयन्ती की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 50वां श्री कुंजापुरी मेला लोक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली परम्पराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को कामना करना बेहद सुखद है, क्योंकि भारतीय संस्कृति में कन्याओं को माँ भगवती का स्वरूप माना गया है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने के साथ व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं।

कुंजापुरी शक्तिपीठ समुद्र तल से 1676 मीटर के वॉलपेप पर एक बेहद खूबसूरत पर्वत स्थित है- जहाँ से आपको हिमालय के सुन्दरी, बंदरपूछ, चौखम्बा, हरिद्वार और दूनाघाटी के दृश्य दिखाई देते हैं। आदिवासियों से बीस किलोमीटर की दूरी पर आपको ये मन्दिर मिल जाएगा। ये बहुत सुन्दर मन्दिर है, इतनी ऊँची चोटी ने बनाया है, दोस्तों आदि गुरु देवता जो कि शिव अवतार थे, हिन्दू सिद्धान्त एवं सम्पूर्ण कलियुग के धर्मगुरु थे एवं जिनमें बौद्ध धर्म के सबसे महान निर्माताओं



में जाना जाता है, वे न सिर्फ कुंजापुरी बल्कि भारत में अनेको मन्दिर और मठों की स्थापना की आज आदि गुरु शिष्यों की वजह से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को देखने और समझने के काबिल हुए हैं। टिहरी के लोग इस देवी को अपना कुलदेवी मानते हैं कहा जाता है कि जब भी किसी बच्चे पर काली छाया भूत प्रेत आदि लगा हो तो कुंजापुरी सिद्ध पीठ के हवन कुण्ड की राख का टीका लगाने मात्र से कष्ट दूर हो जाता है। अगर किसी के बच्चे नहीं हो रहे हैं तो वहाँ हवन करने से मनोकामना पूर्ण हो जाती है जिसकी शादी में दिक्कत आ रही है तो मन्दिर के चुनौ की पेड़ पर बांधते है माता की चुनौ बांध से कुछ ही समय में शादी हो जाती है इसलिए यहाँ मन्दिर में बच्चे बूढ़े सब परिवार के साथ अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए माता के दर्शन को बेताब रहते हैं। मन्दिर समिति के प्रबन्धक के अनुसार हिंडोलाखाल या आगराखाल से छोटे वाहनों के जरिए मन्दिर तक पहुँचा जा सकता है।

तैयारी विधानसभा चुनाव : तराई से पहाड़ तक दिखने लगे हैं तेवर.....

मंत्री रेखा आर्य का दर्द

सोमेश्वर विस से विधायक और महिला सशक्तिकरण व बालविकास मंत्री रेखा आर्य ने पहली बार अपना दर्द सार्वजनिक करने के साथ ही पति गिरधारी साहू के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया। बरेली निवासी साहू कई मामलों में पहले से रहा है और रेखा आर्य पर भी ज्यादा तेज-तर्रारी के आरोप लगते रहे हैं लेकिन सत्ता की धमक और धनबल पर सबकुछ लाचार दिखाई दिया। अब चुनाव से पहले जिस प्रकार का प्रकरण सामने आया है वह आने वाले विधानसभा चुनाव में भी चर्चा का विषय तय है। मंत्री के निजी मामले को राजनीति और अन्य से इसलिये जोड़ा जा रहा है क्योंकि वह पूरी तरह इसी में रही हैं।



अंकितामामले का असर

अंकिता भण्डारी मामले का असर आने वाले विधानसभा चुनाव में होना ही है। अंकिता हत्याकाण्ड मामले में उछले नामों में भाजपा के वरिष्ठ नेता दुष्यंत गौतम को लेकर पूरे प्रदेश की जनता नाराज है, तब उन्हें सिक्किम का राज्यपाल बनाने की घोषणा हो गई। ऐसे में पूरा विपक्ष लोगों के साथ खुलकर सामने है। यह आन्दोलन उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक फैला हुआ है। सिक्किम के लोगों ने भी विरोध जताया है। लोकभवनल कूच करने पर कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह, ज्योति रौतेला, गरिमा दसौनी सहित 30 के खिलाफ प्रार्थनात्मक दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। कांग्रेसी नेता हरीश पनेरू और हिन्दुवादी नेता विपिन पाण्डे ने भी छात्रों की ओर से कमान संभाली। पनेरू ने तो मंत्री व उनके साथियों पर गम्भीर आरोप लगाए हैं।

अल्मोड़ा विधानसभा की सीटों पर टिकट के लिये नेता जुड़ रहे हैं। अल्मोड़ा सीट पर कांग्रेस के मनोज तिवारी फिर से मजबूत दावेदार हैं लेकिन भाजपा की सूची लम्बी है। रानीखेत में कांग्रेस के लिये करन माहरा का टिकट तय है लेकिन दांव चलने वाले दूसरे नेताओं की सुननी होगी। भाजपा से टिकट के लिये विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल के अलावा अन्य भी लाइन में हैं। द्वाराहाट सीट पर टिकट के लिये घमासान है जबकि यूकेडी तीसरे मोर्चे के लिये तैयार है। जागेश्वर सीट पर भाजपा चेहरा बदल सकती है जबकि कांग्रेस को गोविन्द कुन्जवाल की सुननी होगी। इस सीट पर सुभाष पाण्डे भी जमीन से जुड़े नेता हैं। विधानसभा में दन्धा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। रमेश लाल वर्मा (गुड्डू) को राजनीति का कुशल रणनीतिकार के रूप में क्षेत्रवासी जानते हैं और उनके रुख की ओर भी बड़े-बड़े नेता ध्यान लगाते हैं। देखा है इस बार

की रणनीति किस करबट बैठती है।

बागेश्वर सीट पर टिकट के लिये ताल ठोक रहे नेताओं के बीच यूकेडी, बसपा भी रास्ता बनाने की सोच रहे हैं। टिकट न मिलने पर नाराज नेता इधर-उधर जुड़कर खेल खराब कर सकते हैं। कपकोट में टिकट के लिये खुलकर बोल रहे हैं नेता और पार्टी टिकट न मिलने पर नाराजी भी दिखाएंगे। अल्मोड़ा जिले की विधानसभा सीटों की बात करें तो टिकट को लेकर धरती खोदने वाले हाल हो चुके हैं। पार्टी टिकट को लेकर स्थिति अन्तिम समय में ही स्पष्ट हो पायेगी। सोमेश्वर विधानसभा सीट पर मंत्री रेखा आर्य अपने पारिवारिक मसले में वह बुरी तरह उलझी हैं। ऐसे में टिकट की चाह को अन्य मौका तलाश रहे हैं। कांग्रेस की रणनीति में कौन नेता मैदान में उतरेगा इसके लिये मंथन जारी है। फिलहाल पार्टी संगठन बैठकों में उलझे हैं।

पिथौरागढ़ जिले की सीटों की बात की जाए तो टिकट की चाह रखने वाले नेता अन्दर से घायल होते जा रहे हैं क्योंकि टिकट से ज्यादा भीतरघाती उन्हें समझ आने लगे हैं। पिथौरागढ़ सीट पर विधायक मयूख महर और महेन्द्र सिंह लुण्ठी गुट के बीच तनातनी सार्वजनिक है। भाजपा में टिकट को लेकर खींचतान

पिथौरागढ़ में अन्दर से घायल होते नेता

गंगोलीहाट सीट पर दिख रही चतुराई

धारचूला सीट पर भाजपा के तेवर तेज

जागेश्वर सीट पर गुड्डू वर्मा की रणनीति

कम नहीं है। एक ओर स्व. प्रकाश पन्त का परिवार है तो दूसरे अन्य नेताओं की अपनी चाहत है। इन सबके बीच यूकेडी की टुकड़ी कोल चोट इधर-उधर करवाने में कमी नहीं करेगी। डीडोहाट सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक बिशन सिंह चुफाल ताकतवर हैं लेकिन टिकट के लिये मचल रहे नेताओं की चुप्प नहीं रहेगी। यही कारण है कि डीडोहाट में गुटबाजी खुलकर है। कांग्रेस लगे हाथ मौका बनाने की तैयारी में है तो यूकेडी की जड़ें भी इस विधानसभा में फैली हैं। गंगोलीहाट सीट पर नेतागण चतुराई दिखा रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि यदि पार्टी टिकट नहीं देगी तो वह कुछ नहीं कर सकते। ऐसे में सोशल मीडिया पर माहौल दिखाने के अलावा मेल-मुलाकात से काम चलाया जा रहा है। कांग्रेस की ओर टिकट के लिये सबकुछ दांव पर लगा चुके खजान गुड्डू का लड़ना तय है क्योंकि वह पिछले दो चुनाव में अपनी ताकत दिखा चुके हैं। टिकट के लिये मनोज कुमार ने भी रफ्तार तेज कर रखी है। भाजपा में तो लाइन लम्बी है जिसमें सबसे पहले विधायक फकीर राम का ही नाम है। बेरीगाँव के भीम कुमार का नाम उभरने से जरूर विधायक के माथे चिन्ता की रेखाएं दिख रही हैं। टिकट के लिये लम्बे समय से जुड़ रहे दर्पण कुमार, गंगोलीहाट के भूपाल आर्य, मुंराऊ घाटी के दिनेश आर्य भी हैं।

देहादून की सीटों पर सियासी हलचल तेज है। दून की दस विधानसभा सीटों में से 9 पर भाजपा का कब्जा है जबकि चकराता पर कांग्रेस लेकिन इस बार की चुनावी दंगल एकतरफा नहीं है। मसूरी में कबीना मंत्री गणेश जोशी को उनकी ही पार्टी के नेता और पूर्व मेयर देहरादून सुनील उनियाल गामा ने चुनौती दे दी है। दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उपेन्द्र थपलली गणेश जोशी पर निशाना साध रहे हैं। दून की धर्मपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी विधायक विनोदी चमोली और कांग्रेस की ओर से ज्योति रौतेला प्रदेश अध्यक्ष मजबूत दावेदारी कर रही हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता हरक सिंह रावत के प्रभाव से कई सीटों पर असर होने जा रहा है। वह सहस्रपुर सीट पर रुचि ले रहे हैं और सीएम तक को आमने-सामने चुनाव लड़ने की चुनौती दे चुके हैं।

रुद्रप्रयाग और चमोली जिले में चुनाव को लेकर कांग्रेसी नेताओं का तीखा रुख दिखने लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गादियाल बराबर टोल ले रहे हैं। कर्णप्रयाग सीट पर हमेशा से भाजपा का दबदबा रहा है। भाजपा के अनिल नैटियाल वर्तमान विधायक हैं और भाजपा अब पांचवी बार जीतने की तैयारी पर है, जिसे भेदने के लिये कांग्रेस नेता तैयारी कर रहे हैं। सपा आदि मिलकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना सकते हैं।

टिहरी विधानसभा सीट पर चुनाव को लेकर दावेदार जनसम्पर्क में दिखाई देने लगे हैं। इनमें भाजपा के विधायक किशोर उपाध्याय, निर्दली पिछले चुनाव में बहुत कम वोटों के अन्तर से रहे दिनेश धने, पूर्व विधायक धन सिंह नेगी फिर से आमने-सामने होंगे, ऐसा माना जा रहा है। फिर भी पार्टियों से टिकट के लिये दावेदारी हो रही है।

पौड़ी विधानसभा राजनीतिक रूप से अति सम्बेदनशील सीट है। मिशन 2027 को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों उदलों में टिकट की दावेदारी और अन्दरूनी टांग खिंचाई चरम पर होने लगी है। भाजपा में विधायक राजकुमार पौरी सशक्त

दावेदार हैं लेकिन संगठन के भीतर गुटबाजी और नाराजी के सुर दिखाई दे रहे हैं। इसी प्रकार कांग्रेस में मुख्य दावेदार नवलकिशोर ही हैं, वह पिछले दो चुनाव में लगातार उपविजेता रहे हैं। इसके बावजूद युवाओं का एक धड़ा दलील दे रहा है कि इस बार चेहरा बदला जाए ताकि सीट कांग्रेस की झोली में आए।

उत्तरकाशी की तीनों विधानसभा सीटों परन टिकट का दांव चलने लगने लगा है। दावेदारी के लिये घमासान पर उतरे नेता पुरोला, यमुनोत्री, गंगोत्री सीट के लिये अपने तर्क दे रहे हैं। भाजपा ने अपने सर्वे में साफ किया है कि वह जीत की गारंटी पर ही टिकट देंगे, ऐसे में टिकट की लाइन में लगे चिन्तित हैं। पुरोला और गंगोत्री सीट पर दलबदलतुओं की वजह से दावेदारों की सूची लम्बी है। ऐसे में आन्तरिक कलह भी है। कांग्रेस में पुराने चेहरों और युवाओं के बीच रार है।

हरिद्वार जिले की सभी सीटों पर भारी घमासान तय है। त्रिकोणीय मुकाबले के लिये नेता अभी से व्यूह रचना करने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की चाहत अपने परिवार के सदस्य के लिये हरिद्वार पर है। यूकेडी, बसपा व अन्य भी अपने प्रत्याशियों के साथ माहौल बनाने पर पीछे नहीं हैं। भाजपा नेता पार्टी के गोपनीय सर्वे के बाद से टिकट के लिये जुड़ रहे हैं। लस्कर और हरिद्वार ग्रामीण सीटों पर जनसंघ के पुराने कार्यकर्ताओं से लेकर नए चेहरे दावेदारी कर रहे हैं। कांग्रेस में परिवार बनाम कार्यकर्ताओं की लड़ाई घमासान का कारण है। हरदा, अनुपमा रावत, वीरेन्द्र रावत के प्रभाव के लेकर पार्टी में गुटबाजी साफ दिखती है। अपनी दावेदारी को लेकर हाथापाई भी हो चुकी है। खानपुर विधायक उमेश कुमार को लेकर भी तनातनी उफान पर है। बहुजन समाजवादी पार्टी का गढ़ हरिद्वार जिला रहा है, ऐसे में चुनाव की लहर त्रिकोणीय बननी तय है। यूकेडी सहित निर्दलीय भी मैदान में दमदार तरीके से दिखाई देंगे। कुल मिलाकर चुनाव चक्कर अति सम्बेदनशील मामला है।

सुरेश मेडिकल स्टोर

नियर- टैक्सी स्टैंड

मदकोट रोड

मुनस्यारी

मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN

MUNSYARI STORE

Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani

(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी

सम्पर्क- 8941807388



पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।

गिरधारी की लीला से लूट का अनुमान

सोमेश्वर/देहरादून/बरेली। उत्तराखण्ड की बाल विकास व महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य और गिरधारी लाल साहू के बीच उपजा विवाद उनका घरेलू किस्सा है परन्तु हमेशा से चर्चा में रहने वाले इस जोड़े की दबंगता के आगे सबकुछ ढक जाता रहा है। अब जबकि मंत्री ने अपने पति गिरधारी की लीलाओं को उजागर किया है तो प्रदेश की राजनीति में एक और भूचाल की स्थिति है। जब रेखा आर्य ने गिरधारी के कारनामे उजागर किये तो गिरधारी भला क्यों चुप रहता?



उसने भी सोशल मीडिया पर तुरन्त अपनी बात रखते हुए रेखा आर्य पर सीधे 210 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगा दिया। और भी आरोप गिरधारी ने लगाये हैं लेकिन उत्तराखण्ड में किस प्रकार की

कितनी लूट मची है, यह सवाल आम जनता जानना चाहती है और अनुमान लगा रही है कि दोनों हाथ कहीं लोग इस प्रदेश को लूट रहे हैं। गिरधारी का अपना इतिहास विवादों से भरा है। तीन दर्जन से अधिक मामले उन पर दर्ज बताए जाते हैं, प्रापटी डीलिंग कारोबारी के अलावा इस रंगीन मिजाज गिरधारी उर्फ पप्पू ने राजनीति के संरक्षण में कितना इधर-उधर किया, यह सब जाँच-पड़ताल में पता लग सकता है। गिरधारी की लीला कितनी परतें खेलेंगी यह तो समय बताएगा।

दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

टी. एस. बृजवाल

(रिटा. सीडीओ)

ग्राम- छड़ायल सुयाल

हिमालयन कलौनी, पो. पश्चिम मानपुर, हल्द्वानी

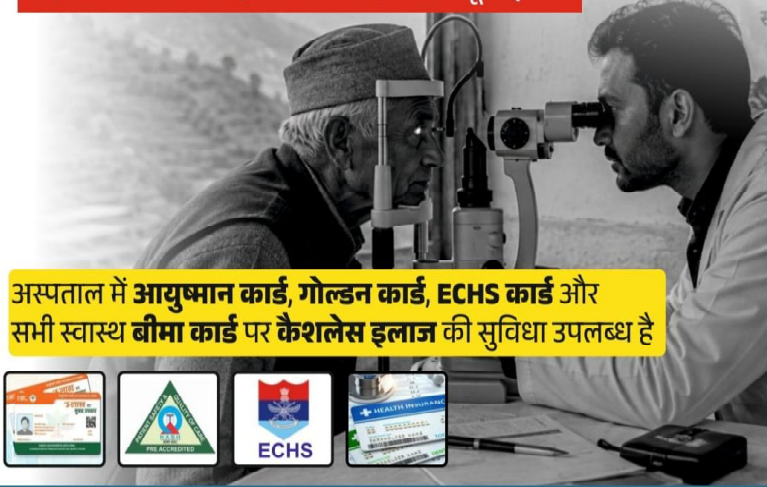
चन्द्र सिंह लस्पताल

(शौका निवास) ग्राम- छड़ायल सुयाल

हिमालयन कलौनी, पो. पश्चिम मानपुर, हल्द्वानी

हल्द्वानी में तुमार अपण आँखक अस्पताल।

जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज



अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ्य बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है



शुभानु आँखों का अस्पताल

अधिक जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क करें

90681 77738, 9997780135

कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाईस, हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiri

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379

APNA GHAR 6396098804

चौकोड़ी

YOGA
MEDITATION

HOTEL RESTRO BANQUET HOMELY

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग
देव, पातालभुवनेश्वर)

FOOD
LIVE
MUSIC

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

BIRTHDAY
WEDDING

स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल

आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- मो.- 8958525979,

05961-222236

9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/मोबाइल

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com